मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 138, मुंबई, गुरुवार, 15 जुलाई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

डेल्टा का खतरा बरकरार

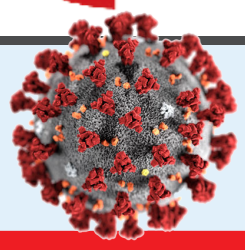

गृहमंत्रालय का राज्यों को आदेश
जहां कोरोना नियम टूटे वहां फिर से लगा दी जाएं पाबंदियां

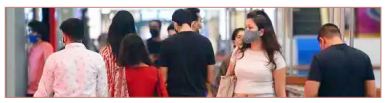

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर कमजोर होने और पाबंदियों में ढील के बाद लोग फिर से बाहर निकलने लगे हैं। बाजारों और पर्यटन स्थलों में भीड़ उमड़ रही है। मास्क और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। केंद्र सरकार और खुद प्रधानमंत्री की ओर से अपील किए जाने के बाद कुछ खास फर्क नहीं पड़ा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना नियमों की हो रही अनदेखी

मुख्य सचिवों के नाम लिखी गई चिट्ठी में कहा गया है कि देश के कई हिस्सों में कोरोना नियमों का उल्लंघन देखा जा रहा है। खासकर सार्वजनिक परिवहन और पहाड़ी क्षेत्रों में। बाजारों में भी भीड़ उमड़ रही है और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों की अनदेखी हो रही है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। कोरोना के कई वैरिएंट अभी भी सक्रिय हैं, ऐसे में लोग बिना कोरोना नियमों का पालन किए हुए बाहर निकल रहे हैं। जो चिंता का विषय है।

99 फीसदी से ज्यादा संक्रमित मरीजों में मिल रहा है यह वैरिएंट

अभी भी देश में है मौजूद

संवाददाता / नई दिल्ली। अपने देश में कहर बरपाने के बाद पूरी दुनिया में तबाही मचा रहा डेल्टा वैरिएंट अभी हमारे मुल्क से गया नहीं है। देश में रोजाना मिलने वाले कोरोना संक्रमित मरीजों में 99 फीसदी से ज्यादा में डेल्टा वैरिएंट ही मिल रहा है। यही वजह है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर इस वायरस पर शोध कर रहे वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ गयी है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

लैंब्डा से है खतराः डॉक्टर एनके अरोड़ा का कहना है कि डेल्टा वैरीएंट के अलावा लैंब्डा से भी खतरे की आशंका बनी हुई है। हालांकि अपने देश में अब तक इस तरीके के कोई भी मामले सामने नहीं आए हैं लेकिन आईसीएमआर और वैज्ञानिकों की पूरी टीम इस पर नजर बनाए हुए है।

संजय राउत का बड़ा बयान

'पीएम मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष के पास नहीं कोई चेहरा'

मुंबई। कुछ समय पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद से शिवसेना प्रवक्ता संयज राउत कई मौकों पर पीएम मोदी की तारीफ कर चुके हैं। एक बार फिर उन्होंने कहा है कि अगले लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए विपक्ष के पास कोई चेहरा नहीं है। जब तक विपक्ष के पास कोई चेहरा नहीं आता है, तब तक उसके जीतने का चांस नहीं है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

'देश के विपक्ष को साथ ला सकते हैं पीके'

शिवसेना सांसद संजय राउत ने प्रशांत किशोर पर भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि पीके ने हालिया बंगाल चुनावों में अच्छा काम किया है, ऐसा तृणमूल कांग्रेस का कहना है। पीके ने महाराष्ट्र में हमारे साथ भी कुछ काम किया था। राउत ने कहा कि उन्हें नहीं मालूम कि पीके क्या करना चाहते हैं पर वह देश के विपक्ष को साथ लाने में बड़ा योगदान कर सकते हैं। अगर कोई गैर राजनीतिक नेता ऐसा काम करे तो उसको सब लोग मान्यता देते हैं।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल नहीं हूं: शरद पवार

संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को संकेत दिया कि वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि पवार को लगता है कि संसद में भारी संख्या बल वाले दल के उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले किसी व्यक्ति के लिए चुनावी परिणाम पहले से ही तय होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

असहमतियों की जगह

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने असहमतियों के दमन के संदर्भ में जो टिप्पणी की है, वह न सिर्फ लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने वाली है, बल्कि एक सभ्य और सहिष्णु समाज के निर्माण के लिहाज से भी जरूरी है। भारत-अमेरिका कानूनी संबंधों पर साझा ग्रीष्मकालीन सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा है कि नागरिक असहमतियों को दबाने के लिए आतंकवाद विरोधी कानूनों या आपराधिक अधिनियमों का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। निस्संदेह, असहमति लोकतंत्र की आधारभूत विशेषता है और इस शासन प्रणाली के आदर्श रूप में इसकी काफी अहम भूमिका है। लेकिन दुर्योग से सत्ताधारी पार्टियां लोकतंत्र की इस बुनियादी खूबी को ही नकारने लगती हैं और अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज ही उन्हें नागवार गुजरती है। हाल के वर्षों में जिस पैमाने पर भारत में राजद्रोह कानून का दुरुपयोग हुआ है, वही इस बात की तस्दीक कर देता है। अभी पिछले महीने ही एक वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ दायर राजद्रोह के मुकदमे को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के दुरुपयोग पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने एक और महत्वपूर्ण बात कही है कि हमारी अदालतों को सुनिश्चित करना चाहिए कि नागरिकों की आजादी की रक्षा के लिए वे पहली कतार में खड़ी हों। जाहिर है, किसी भी लोकतांत्रिक देश में लोग इंसाफ की आखिरी गुहार अदालत से ही लगाते हैं। विडंबना यह है कि भारत में सबसे अधिक विश्वसनीयता रखने वाली अदालतों का दरवाजा खटखटाने से पहले आम नागरिक अनेक बार सोचता है। मुकदमों के बोझ तले दबी न्यायपालिका में उसकी अरजी की सुनवाई कब होगी, यह आशंका तो उसके हौसले पस्त करती ही है, ऊंची अदालतों में मुकदमा लड़ने का खर्च भी उसे हतोत्साहित करता है। इसलिए न्यायपालिका को ही ऐसे इंतजाम करने पड़ेंगे कि उत्पीड़ित लोगों को त्वरित न्याय मिले। कानून का राज कायम करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि इसे लागू करने वाली एजेंसियां पेशेवर पारदर्शिता बरतें। अमेरिकी तंत्र की ताजा नजीर सामने है। तमाम नस्लवादी आग्रहों-दुराग्रहों के बावजूद अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड के हत्यारे श्वेत पुलिसकर्मी को तंत्र ने एक साल के भीतर अदालत से सजा दिला दिया। इसके विपरीत भारत में अभी चंद रोज पहले खुद आला अदालत इस बात से हैरान थी कि जिस कानून को वह छह वर्ष पहले निरस्त कर चुकी है, उसके तहत भी लोगों पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं! दुर्योग से आईटी ऐक्ट की उस धारा के खिलाफ भी यही आरोप था कि असहमतियों के दमन के लिए इसका बेजा इस्तेमाल हो रहा है। ऐसी स्थितियां हमारे तंत्र के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक सुधारों के प्रति लगातार उदासीनता से उपजती हैं। औपनिवेशिक युग में शुरू जिस राजद्रोह कानून को ब्रिटेन ने अपने यहां हटा लिया, हम आज भी उसे ढो रहे हैं, क्योंकि सरकारें इसे अपने विरोधियों से निपटने के कारगर हथियार के तौर पर देखती रही हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने उचित ही कहा है कि अमेरिका की तरह ही भारतीय संविधान भी मानव अधिकारों में गहरी आस्था रखता है। इस विशाल लोकतंत्र की प्रतिष्ठा पूर्ण नागरिक स्वतंत्रता और त्वरित इंसाफ से ही सुर्खरू होगी, बदले की कार्रवाई या असहमतों के उत्पीड़न से नहीं।

भारत का भागना! क्या यही विकल्प?

भारत ने अपने राजनयिकों और सुरक्षा कर्मियों को कंधार के वाणिज्य दूतावास से वापस बुला लिया है। कंधार का वाणिज्य दूतावास बंद नहीं किया गया है पर भारतीय नागरिकों को वहां से निकाल लिया गया। भारत के रक्षा प्रतिष्ठानों और विदेश मंत्रालय की ओर से मीडिया में जो खबर दी गई उसमें इस बात पर खास जोर दिया गया कि कंधार से भारतीय राजनयिकों को लाने के लिए जो विशेष विमान भेजा गया था उसने पाकिस्तान के एयर स्पेस का इस्तेमाल नहीं किया। इस बात का कोई खास मतलब नहीं है लेकिन इससे भारत की अफगान नीति की एक झलक मिल रही है। यह साफ हो गया है कि अफगानिस्तान से 31 अगस्त तक अमेरिकी सैनिकों की संपूर्ण वापसी के बाद के जो भी हालात बन रहे हैं उनमें पाकिस्तान से बातचीत करके भारत कोई कूटनीतिक पहल नहीं करने वाला है।

पाकिस्तान के साथ सहयोग नहीं बनाने की भारत की सोच समझ में आती है क्योंकि पाकिस्तान इस समय पूरी तरह से चीन के असर में है और अमेरिका की वापसी के बाद चीन अपने लिए अफगानिस्तान में एक भूमिका देख रहा है। अफगानिस्तान में इस्लामाबाद की उतनी भूमिका नहीं है, जितनी रावलपिंडी की है। तालिबान को हमेशा पाकिस्तानी फौज का संरक्षण मिलता रहा है और अब पाकिस्तानी सेना की रहनुमाई चीन कर रहा है। तभी चीन, पाकिस्तान और तालिबान का साझा अगर बनता है तो वह हैरान करने वाली बात नहीं होगी। यह भी अनायास नहीं है कि तालिबान के प्रवक्ता ने आधिकारिक रूप से कहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद चीन के उइगर मुसलमानों को देश में पनाह नहीं दी जाएगी। इसका मतलब यह है कि तालिबान ने चीन का समर्थन हासिल करने के लिए पहले ही साफ कर दिया कि वह शिनजियांग के अलगाववादी ताकतों को समर्थन नहीं देगा। हालांकि इतने भर से चीन की चिंता खत्म नहीं हो जाएगी। चीन भले इस बात से खुश है कि अमेरिका बिना कुछ हासिल किए अफगानिस्तान छोड़ कर जा रहा है। इससे चीन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह शोर बनवा सकता है कि अमेरिका पतन के रास्ते

पर है। यह शोर चीन के आगे बढ़ने और अमेरिका या समूची पश्चिमी सभ्यता की तर्ज पर दुनिया का चौधरी बनने के उसके संकल्प को मजबूती देगा। इसके बावजूद शिनजियांग के अलगाववादी ताकतों को तालिबान का समर्थन मिलने को लेकर उसकी चिंता कायम रहनी है। इस चिंता को दूर करने में पाकिस्तान खास कर रावलपिंडी के सैन्य जनरल मदद कर सकते हैं। इस तरह चीन के लिए अफगानिस्तान के हालात बहुत उम्मीदआफजाई वाले हैं। वह खुद को अमेरिका की जगह लेने वाले चौधरी राष्ट्र के रूप में पेश कर सकता है। भले ऊपर से वह तालिबान की छत्रछाया में आतंकवादी संगठनों के फलने-फूलने का विरोध करे लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत के खिलाफ चल रहे पाकिस्तान के छद्म युद्ध में चीन की मौन सहमति से तालिबान का इस्तेमाल हो सकता है। भारत को बदलते हालात में अपने संभावित दोस्तों की पहचान है। तभी विदेश मंत्री एस जयशंकर तेहरान और मॉस्को के दौरे पर गए। ध्यान रहे ईरान और रूस दोनों अफगानिस्तान में अमेरिका की मौजूदगी का विरोध करते रहे हैं लेकिन ये दोनों देश किसी हाल में तालिबान का समर्थन नहीं कर सकते हैं। शिया बहुल ईरान को हमेशा इस बात की चिंता रहती है कि तालिबान समर्थक सुन्नी आतंकवादी समूह ज्यादा मजबूत न होने पाएं। रूस को भी अपने अंदरूनी हालात और सोवियत संघ से अलग हुए मध्य एशिया के दूसरे देशों की चिंता घेरे रहती है। इसलिए वह कतई नहीं चाहेगा कि तालिबान के नेतृत्व में अफगानिस्तान में आतंकवादी संगठनों के फलने-फूलने के हालात बनें। भारत की मुश्किल यह है कि वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में निरपेक्ष बने रहने का दिखावा करने के बावजूद अमेरिका के बहुत नजदीक दिख रहा है। सामरिक मामलों में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड में भारत का शामिल होना इसकी एक मिसाल है। भारत की यह स्थिति रूस और ईरान दोनों को बहुत पसंद नहीं है। इसके बावजूद भारत की उम्मीद इन्हीं दो देशों के साथ जुड़ी है और भारत की अफगान नीति इनके साथ बनने वाली सहमति पर ही निर्भर करेगी। परंतु इतना तय है कि अफगानिस्तान छोड़ कर भागना भारत का विकल्प नहीं है। इस समय कंधार और मजार ए शरीफ के आसपास के इलाकों में तालिबान और अफगान फौजों के बीच भीषण लड़ाई चल रही है। तालिबान ने दावा किया है कि उसने अफगानिस्तान के 85 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर लिया है और राजधानी काबुल पर कब्जा करके सरकार अपने नियंत्रण में लेना महज वक्त की बात है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि कम से कम अभी तत्काल यह संभव नहीं दिख रहा है क्योंकि अमेरिकी सैनिकों के प्रशिक्षण और मदद की वजह से अफगान फौज उनका मजबूती से मुकाबला करने में सक्षम है। इसके बावजूद इस साल के अंत तक या अगले साल के शुरू तक तालिबान की फौज काबुल तक पहुंच सकती है। फिर क्या भारत काबुल भी छोड़ कर भागेगा? या भारत की कूटनीतिक और सामरिक कमान संभाल रहे नेता, अधिकारी इस मुगालते में हैं कि वे तालिबान से वार्ता करके अपने देश के लिए शांति हासिल कर लेंगे?

भारत को ऐसे किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि तालिबान के साथ वार्ता का चैनल खोलने से कुछ हासिल होने वाला है। तालिबान का मनोविज्ञान भारत विरोध से बना है। उन्होंने ऐलान किया है कि उनका राज आते ही अफगानिस्तान में शरियत कानून लागू किया जाएगा। उसके बाद उनकी वहीं मकसद होना है, जो इस्लामिक स्टेट का है- पूरी दुनिया में खलीफा का राज स्थापित करना। इस मकसद का पहला शिकार भारत को होना है।

सत्ता के नशे में चूर शी चिनफिंग

खुद को जीवन भर के लिए चीन के सर्वोच्च पद पर नामित कराने पर आमादा शी चिनफिंग हताशा में कई ऐसे खतरनाक कदम उठा रहे हैं, जो सोवियत संघ की तर्ज पर चीन को टुकड़े-टुकड़े करने का कारण भी बन सकते हैं। चीनी राष्ट्रपति सर्वोच्च शासक की गद्दी जीवनपर्यंत अपने नाम कर लेने के लिए इस हद तक उतावले हैं कि वह कई बार अवसर की शालीनता और अपने पद की गरिमा भी भूल जाते हैं। जब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के शताब्दी समारोह के मौके पर चीन की जनता उनकी ओर मुखातिब थी और दुनिया भर के लोग उनकी बात सुनने को उत्सुक थे, तब उन्होंने धमकी दे डाली कि जो कोई भी चीन को दबाने की कोशिश करेगा उसका सिर कुचल कर लहूलुहान कर दिया जाएगा। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत के बारे में जानने वालों को उम्मीद नहीं थी कि अपनी पार्टी के शताब्दी समारोह जैसे गरिमामयी मौके पर वह अपनी ताकत का ऐसे अहंकारी अंदाज में प्रदर्शन करेंगे। शी के इसी अहंकार ने लोगों को पिछली सदी के छठे दशक में सोवियत संघ की याद दिला दी, जब

सर्वोच्च कम्युनिस्ट नेता निकिता ख्रुश्चेव ने ऐसे ही एक मौके पर दहाड़ते हुए सभी पश्चिमी देशों को धमकी दे डाली थी, 'तुम्हें सुनकर अच्छा लगे या बुरा, लेकिन सच यह है कि इतिहास हमारे पक्ष में है। हम तुम सबको धरती में गाड़ देंगे।' इतिहास जानता है कि उसके बाद क्या हुआ? सोवियत संघ के 16 टुकड़े हो गए और पूर्वी यूरोप से कम्युनिज्म का सफाया हो गया। चेयरमैन माओ के बाद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में यह नियम बना दिया गया था कि चीनी राष्ट्रपति और पार्टी महासचिव पद पर कोई भी नेता पांच-पांच साल के लिए दो से अधिक बार नहीं चुना जाएगा, लेकिन 2012 में सत्ता में आए शी पर ताकत का नशा इस कदर सवार है कि उन्होंने 2018 में इस नियम को रद करा दिया। इससे पहले 2013 में पार्टी के भीतर जोड़तोड़ करके वह चीनी सेना के सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के चेयरमैन यानी प्रधान सेनापति का पद भी हथिया चुके थे। इस साल अक्टूबर में होने जा रहे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के 21वें अधिवेशन में वह ऐसा प्रस्ताव पारित कराने का माहौल बनाने में जुटे हैं कि उन्हें जीवन भर के लिए देश का सर्वोच्च नेता मान लिया जाए। जापान के सेनकाकू द्वीप पर कब्जा करने से लेकर दक्षिणी चीन सागर में चीनी समुद्र तट से दो-तीन हजार किमी दूर के फिलीपींस और ब्रूनेई समेत दर्जन भर देशों के इलाकों को अपना बताने और हिंद-प्रशांत, हिंद महासागर तथा अरब सागर तक अपनी नौसेना को तैनात करने जैसे कई हेकड़ी भरे काम हैं, जिनके दम पर वह खुद को विश्व विजेता दिखाने में लगे हुए हैं, लेकिन यह शी की बदकिस्मती ही है कि उनका कोई दांव सीधा नहीं पड़ रहा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र कैबिनेट में उद्धव ठाकरे करेंगे बदलाव

कांग्रेस के दो मंत्री हो सकते हैं बाहर

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जल्द ही अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर सकते हैं। यह बदलाव खासकर कांग्रेस के मंत्रियों को लेकर होगा। एआईसीसी ने कांग्रेस कैबिनेट सदस्यों को बदलने का प्रस्ताव दिया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस के कैबिनेट से दो सदस्यों को हटाकर उनकी जगह दो नए मंत्रियों को शामिल किया जाएगा। कांग्रेस के एक मंत्री ने कहा कि एआईसीसी ने हाल ही में कांग्रेस के सभी कैबिनेट सदस्यों के प्रदर्शन की समीक्षा की और महसूस किया कि नॉन परफॉर्मिंग मंत्रियों को हटाने का समय है। मंत्री ने कहा कि यह महसूस किया गया कि कुछ कांग्रेस कैबिनेट सदस्य महामारी के दौरान दिखाई नहीं दे रहे थे। जिन मंत्रियों को बाहर किया जाएगा, उनकी सूची कांग्रेस ने पहले ही तैयार कर ली है। सब कुछ अब सीएम और राज्यपाल की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से हुई चर्चा

मंत्री ने कहा कि वहीं एआईसीसी जल्द ही स्पीकर के पद के चुनाव कराए जाने की भी उत्सुक है। स्पीकर का पद पहले कांग्रेस के नाना पटोले के पास था, जिन्हें अब महाराष्ट्र का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पटोले चाहते हैं कि उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। महाराष्ट्र में बदलाव को लेकर मुंबई आए एआईसीसी के वरिष्ठ नेता मलिकार्जुन खड़गे और एच के पाटिल से भी चर्चा की गई है।

हाथ उठाकर कराया जाएंगे स्पीकर का चुनाव: मंत्री ने कहा कि यह प्रस्तावित किया गया है कि अध्यक्ष के चुनाव के लिए गुप्त मतदान के बजाय हाथ उठाकर चुनाव कराया जाए, ताकि क्रॉस वोटिंग की कोई गुंजाइश न रहे।

युवती से प्यार में धोखा खाकर युवक ने की आत्महत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। प्यार में धोखा खाये प्रेमी ने की आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया है, अरबाज शेख वर्ष 23 रहिवासी सायरा अपार्टमेंट ठाकुरपाड़ा, अरबाज के दोस्त से मिली जानकारी के अनुसार अरबाज शेख का प्रेम सुमैया नाम की युवती से चल रहा था। परंतु सुमैया ने अरबाज के रहते किसी और युवक के साथ अपना प्रेम प्रसंग चला रही थी, जैसे ही अरबाज को पता चला की सुमैया मुझे धोखा दे रही है यह बर्दाश्त वह नहीं कर पाया और वह बुरी तरह से आहत हो गया। इस प्यार में मिले धोखे के कारण वह दो दिनों से घर पर भी नहीं जा रहा था और उसने अपने हाथों से अपने गले पर वार भी कर चुका, अरबाज के परिवार

वाले पुणे में रहते थे। इसलिए मैं उसको मेरे घर ले आया और काफी कोशिश की उसको समझाने की पर वह नहीं माना। 13 जुलाई मंगलवार के दिन 1:30 बजे चूहा पुल में हम लोग बैठ कर बात कर रहे थे और जब वापस रिक्शे में जाने लगे तो रिक्शे से उतर कर अरबाज ने चूहा पुल खाड़ी में छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। इस बात की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस द्वारा दमकल विभाग को सूचित कर घटनास्थल पर बुलाया गया और अरबाज की लाश को ढूंढने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शूरू किया गया। काफी प्रयासों के बाद भी अरबाज की लाश चूहा पुल खाड़ी से बरामद नहीं हुई। दमकल विभाग के अधिकारी का कहना है कि पानी का तेज बहाव के कारण लाश आगे भी जा सकती है। जब तक युवक की लाश नहीं मिलती सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा। फिलहाल अरबाज शेख के परिजनों में गम का माहौल छाया हुआ है।

देसी कट्टा रखने के मामले में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने यहां के सांताक्रूज इलाके से 31 वर्षीय व्यक्ति के पास से एक देसी कट्टा और दो कारतूस कथित रूप से बरामद किए हैं और उसे अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपी मोहसिन मंसूरी को मंगलवार को सांताक्रूज (पूर्व) में दिनकर पटेल गार्डन के पास से गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया, पुलिस को सूचना मिली थी कि माटुंगा निवासी मंसूरी हथियार लेकर गार्डन के पास आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर वहां पहुंचते ही उसे दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान, मंसूरी ने बताया कि उसने कुछ महीने पहले अपने एक सहयोगी से कट्टा खरीदा था, जिसकी बाद में कोरोना वायरस के कारण मृत्यु हो गई। उसने कहा कि उसने अपनी सुरक्षा के लिए हथियार रखा हुआ है और उसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

डेल्टा का खतरा बरकरार

क्योंकि विशेषज्ञों को डर है अगर एक बार यह फिर से लोगों में गुणात्मक तरीके से संक्रमित करने लगा तो हालात बहुत बुरे हो सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आईसीएमआर ने बुधवार को अपनी ओर से भेजी गई रिपोर्ट में अपडेट किया है कि देश में अभी भी खतरा बरकरार है। नेशनल कोविड टास्क फोर्स के सदस्य सदस्य डॉ. एनके अरोड़ा ने बताया कि अपने देश में अभी भी सबसे ज्यादा संक्रमित मरीजों की संख्या डेल्टा वैरिएंट की ही है। यह वही वैरिएंट है, जिसने अप्रैल और मई में अपने देश में भीषण तबाही मचाई थी। डॉक्टर अरोड़ा कहते हैं यह अलग बात है कि संक्रमित लोगों की संख्या कम हुई है, लेकिन उतनी भी कम नहीं है कि हम चैन से बैठ सकें। वह बताते हैं अभी तक कोरोना के जितने भी वैरिएंट आए उनमें सबसे ज्यादा खतनाक और सबसे ज्यादा संक्रमण फैलाने वाला डेल्टा वैरिएंट ही रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अपने देश में इस वक्त जितने भी संक्रमित मरीज हैं और रोजाना जितने संक्रमित मरीज मिल रहे हैं, उनमें 99 फीसदी से ज्यादा लोगों में डेल्टा वैरिएंट की ही पुष्टि हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक यह न सिर्फ चौंकाने वाली बात है बल्कि लोगों को बहुत ज्यादा सतर्क रहने की भी जरूरत है।

गृहमंत्रालय का राज्यों को आदेश

ऐसे में अब गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भीड़ बढ़ने पर लॉकडाउन लगाने का निर्देश जारी किया है। गृह सचिव अजय भल्ला ने राज्य सरकारों को पत्र जारी कर पाबंदियां लगाने के लिए कहा है। पत्र में कहा गया है कि जिन स्थानों पर कोरोना नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है, वहां फिर से लॉकडाउन लगा दिया जाएं। पत्र में पहाड़ों पर पर्यटकों की भीड़ का भी जिक्र किया गया है। 19 जून को गृह मंत्रालय ने एक्टिव केसों में गिरावट के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को धीरे-धीरे गतिविधियां शुरू करने की इजाजत दी है। हालांकि, प्रतिबंधों में छूट सावधानी पूर्वक देने की बात कही गई थी। पत्र में यह भी जिक्र किया गया है कि कुछ राज्यों में आर फैक्टर (रीप्रोडेक्शन नंबर) में वृद्धि चिंता की वजह है ।

संजय राउत का बड़ा बयान

इन दिनों चर्चा है कि चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर विपक्ष के बड़े नेताओं से मुलाकात कर किसी बड़ी योजना पर काम कर रहे हैं। वह अब तक शरद पवार, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से मुलाकात कर चुके हैं। कहा यह भी जा रहा है कि वह 2024 में होने वाले आम चुनावों से पहले बीजेपी के खिलाफ मजबूत विपक्ष खड़ा करने की तैयारी में हैं। ऐसे में संजय राउत का यह बयान काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि, संजय राउत ने यह भी कहा है कि एनसीपी चीफ शरद पवार पीएम नरेंद्र मोदी से मुकाबला करने के लिए सही उम्मीदवार हैं। 2024 चुनाव में बिना किसी बड़े चेहरे के नरेंद्र मोदी को हराना मुश्किल होगा। ऐसे में शरद पवार उचित विकल्प हैं। राउत ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस के बड़े नेता हैं, लेकिन उनसे भी बड़े नेता अभी मौजूद हैं। कांग्रेस में भी लीडरशिप को लेकर संकट है, इसीलिए अभी तक वहां पार्टी अध्यक्ष नहीं चुना जा सका है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने प्रशांत किशोर पर भी अपने विचार व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा कि पीके ने हालिया बंगाल चुनावों में अच्छा काम किया है, ऐसा तृणमूल कांग्रेस का कहना है। पीके ने महाराष्ट्र में हमारे साथ भी कुछ काम किया था।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल नहीं हूं: शरद पवार

सूत्रों ने कहा कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ उनकी मुलाकात के बाद राष्ट्रपति चुनाव के लिए पवार के मैदान में होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। सूत्रों ने कहा कि उन बैठकों के दौरान कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई थी। राष्ट्रपति चुनाव पर भी बात नहीं हुई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव पर पार्टी के भीतर कोई चर्चा नहीं हुई ।

पंकजा मुंडे का समर्थन करना पड़ा भारी

ऑफिस में पहुंचे 42 समर्थकों के खिलाफ कोविड नियम तोड़ने का केस हुआ दर्ज

संवाददाता

मुंबई। मध्य मुंबई के वर्ली में भाजपा नेता पंकजा मुंडे के कार्यालय में मंगलवार को एक जनसभा का आयोजन किया गया था। आरोप है कि इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का जमकर उल्लंघन किया गया। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद अब पुलिस ने इस मामले में 42 लोगों के खिलाफ कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन करने की एफआईआर दर्ज की है। जानकारी के मुताबिक, ये सभी हाल ही में हुए मंत्रिपरिषद विस्तार में पंकजा मुंडे की बहन एवं सांसद प्रीतम मुंडे को जगह नहीं मिलने के बाद पंकजा मुंडे का समर्थन करने पहुंचे थे। मुंबई पुलिस

के एक अधिकारी ने बताया, सभी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 और 269 के अलावा आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। इनमें से ज्यादातर ने मास्क भी नहीं पहना था और नियम तोड़ते हुए लगातार नारेबाजी कर रहे थे। इसी कार्यक्रम के दौरान भाजपा की राष्ट्रीय सचिव और राज्य की पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए उन खबरों को खारिज किया जिसमें कहा गया था कि वह 'दबाव की रणनीति' का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा उनके नेता हैं।

कई कार्यकर्ताओं ने पंकजा को दिया इस्तीफा: बता दें कि भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे स्व. गोपीनाथ मुंडे की बड़ी बेटी पंकजा मुंडे के तेवर मंगलवार को नरम दिखाई दिए। पंकजा ने छोटी बहन प्रीतम मुंडे को मोदी मंत्रिमंडल में पद नहीं मिलने पर नाराजगी तो जताई, लेकिन लगे हाथ यह भी कहा कि यह धर्मयुद्ध का सही वक्त नहीं है। पंकजा ने पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह व पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपना नेता बताते हुए नाराज कार्यकर्ताओं के इस्तीफे नामंजूर कर दिए। पंकजा ने मंगलवार को अपने समर्थक पार्टी कार्यकर्ताओं से चर्चा की और इसके बाद ये बातें कहीं। पंकजा ने कहा कि कार्यकर्ताओं को विश्वास था कि हमें हालिया विस्तार में केंद्र में मंत्री पद मिलेगा। इस कारण कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप इस्तीफे का प्रस्ताव किया था। इसके साथ ही पंकजा ने अपने उन कार्यकर्ताओं के त्यागपत्र भी अस्वीकार कर दिए हैं जिन्होंने भाजपा छोड़ने की घोषणा की थी। पंकजा ने अपनी बहन प्रीतम के केंद्रीय मंत्री नहीं बन पाने के लिए महाराष्ट्र के भाजपा नेतृत्व को जिम्मेदार बताया।

निर्मला सीतारमण हो सकती हैं राज्यसभा की नेता

संवाददाता

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 19 जुलाई से शुरू होने वाला है। उससे पहले भारतीय जनता पार्टी राज्यसभा में अपने नेता का पद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को देने पर विचार कर रही है। निर्मला सीतारमण को राज्यसभा में भाजपा संसदीय दल का नेता बनाया जा सकता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल से पहले थावरचंद गहलोत इस पद पर थे। उनके कर्नाटक के राज्यपाल बनने के बाद यह पद खाली है। सूत्रों का कहना है कि वैसे पीयूष गोयल सदन में उपनेता हैं लेकिन राज्यसभा में नेता के पद के तौर पर निर्मला सीतारमण का नाम पार्टी की पहली पसंद है। संभावना है कि उन्हें यह जिम्मेदारी दी जा सकती है। निर्मला को राज्यसभा का नेता बनाकर पार्टी महिला सशक्तिकरण का भी संदेश देना चाहती है। हाल में ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में सात नई महिला मंत्रियों को शामिल किया गया है। मोदी मंत्रिमंडल में अब कुल 11 महिला मंत्री हो गई हैं। इनमें से दो को पहले से ही कैबिनेट में भी जगह मिली हुई है।

पी. चिदंबरम ने सरकार पर लगाया आरोप,

कहा- केंद्र की गलत नीतियों के कारण बढ़ी महंगाई

नई दिल्ली। देश के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि देश में महंगाई केवल केंद्र सरकार की गलत नीतियों और उसके अर्थव्यवस्था कुप्रबंधन के कारण बढ़ रही है। तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों को लेकर हमलावर पूर्व वित्त मंत्री ने केंद्र सरकार से तत्काल पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का मूल्य घटाने व आयात शुल्क की समीक्षा करने की मांग की। वित्त मंत्री चिदंबरम ने कहा, हम उच्च मुद्रास्फीति के लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। यह महंगाई बढ़त मांग के कारण नहीं बल्कि सरकार की गलत नीतियों और अर्थव्यवस्था कुप्रबंधन के कारण है। हम केंद्र सरकार से तत्काल पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम घटाने और आयात शुल्क

की समीक्षा करते हुए आवश्यक आयातित वस्तुओं के दाम दोबारा तय करने की मांग करते हैं। हम विभिन्न उत्पादों की एक सीरीज पर जीएसटी दरों को घटाने की भी मांग करते हैं। चिदंबरम ने कहा कि कांग्रेस मूल्य बढ़ोतरी के मुद्दे पर 'घोर लापरवाही' के लिए सरकार की निंदा करती है। उन्होंने राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों का भी हवाला दिया, जिनमें उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति 6.26 फीसदी आंकी गई है। चिदंबरम ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कहर और बेरोजगारी दर के बढ़कर 8.1 फीसदी पहुंचने के बीच मुद्रास्फीति का यह स्तर आम लोगों की कमर तोड़ देगा। सरकार और आरबीआई को मुद्रास्फीति लक्ष्य 4 फीसदी पर तय करना चाहिए, जो 6 फीसदी के अधिकतर ऊपरी स्तर को पार कर चुका है।

सरकार का कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम महज एक झूठा दिखावा

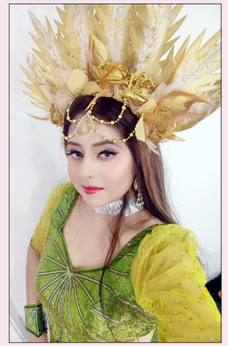

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने मंगलवार को सरकार के कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम पर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्र सरकार के दिसंबर के अंत तक सभी युवाओं का टीकाकरण कराने वाले वादे को डींग हांकना करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा और दिल्ली राज्य टीकों की कमी का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री राज्यों को टीकों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बताएं। चिदंबरम ने कहा कि टीकाकरण की कमी एक सच्चाई है। टीकाकरण उत्पादन बढ़ा-चढ़ाकर किया गया है। दिसंबर 2021 तक पूरी युवा आबादी का टीकाकरण करना सरकार का एक खाली दावा है।

आगरा में बेटे-बहू ने दिव्यांग मां को जंगल में छोड़ा

भूख से तड़पती मिलीं 70 साल की बुजुर्ग

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक कपूत ने मां-बेटे के रिश्ते को शर्मसार कर दिया। बेटे-बहू ने बुजुर्ग दिव्यांग मां को जंगल में ले जाकर भूखा-प्यासा मरने के लिए छोड़ दिया। मंगलवार शाम बुजुर्ग राम लाल वृद्धाश्रम के कार्यकताओं को महिला जंगल में पड़ी मिली। आश्रम ले जाकर महिला को खाना खिलाया। फिर महिला ने जब अपना दर्द बयान किया तो लोग भावुक हो उठे। बुजुर्ग ने कहा, पति से लड़कर अपने दो बेटों को काबिल बनाया। कई बार भूखा भी रहना पड़ा। फटे कपड़े भी पहने। लेकिन दवा दिलाने के बहाने छोटे बेटे ने पत्नी के साथ मिलकर मां को जंगल में लाकर छोड़ दिया। मामला थाना सिकंदरा अंतर्गत कैलाश मंदिर के पास का है। यहां स्थित जंगल में राम लाल वृद्धाश्रम के लोगों को एक 70 साल की दिव्यांग बुजुर्ग महिला

जमीन पर कराहती हुई मिली। पूछताछ पर बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसके बहू-बेटे खुद उसे जंगलों में मरने के लिए छोड़ गए हैं। राम लाल वृद्धाश्रम के कार्यकर्ता बुजुर्ग दिव्यांग महिला को आश्रम ले गए। भोजन और दवाओं की व्यवस्था कराकर रहने का स्थान दिया। बुजुर्ग महिला ने बताया कि उसका नाम महादेवी है और वो राजामंडी क्षेत्र की निवासी है। उनके पति स्व. अर्जुन सिंह की कई साल पहले मौत हो चुकी है। उनके दो बेटे हैं। एक बेटा दिल्ली में है और दूसरा बेटा जितेंद्र आगरा में प्राइवेट नौकरी करता है। बुजुर्ग दिव्यांग महिला ने बताया कि पति से लड़कर बच्चों को पढ़ाया। कई रातें बिना अन्न के गुजार दीं और फटे कपड़े पहन कर भी बच्चों को जीवन जीने के लायक बनाया। आज वे ही कपूत दिव्यांग मां को जंगल में छोड़ गए।

बहू ने कहा- हम नहीं कर पाएंगे सेवा: पीड़ित बुजुर्ग महिला के बेटे जितेंद्र की पत्नी का कहना है कि पति की प्राइवेट नौकरी है। इस महंगाई के दौर में परिवार का खर्चा चला पाना मुश्किल है। ऐसे में बुजुर्ग सास बिस्तर पर है। उनकी दवा और बाकी खर्चे नहीं संभाल सकते। पूरा दिन बेड पर ही सास की सेवा नहीं कर सकते। दिल्ली में रहने वाला इनका बेटा पहले ही हाथ खींच चुका है।

आश्रम को मिला नया सदस्य: रामलाल वृद्ध आश्रम के अध्यक्ष शिवकुमार के मुताबिक, बुजुर्ग महिला घर नहीं जाना चाहती है। न ही उसकी बहू-बेटे ले जाना चाहते हैं। ऐसे में आश्रम ने उन्हें अपना नया सदस्य मान लिया है। हालांकि, उनके परिजनों को समझाकर उन्हें साथ करने का भी प्रयास कराया जाएगा।

फिल्म अभिनेत्री शिरीन फरीद हुई बॉलीवुड के दादासाहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित

संवाददाता/अरमानउलहक

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड के फाउंडर डॉक्टर कृष्णा चौहान ने जुहू के मेयर हॉल में बॉलीबुड सितारों से सजी महफिल में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का आयोजन किया। जिसमे प्रसिद्ध सितारों की मौजूदगी में अवार्ड दिया गया तो वही अवार्ड शो में मुख्य अतिथि के तौर पर दक्षिण मध्य मुंबई चेम्बूर के शिवसेना सांसद राहुल शेवाले की खास मौजूदगी रही तो वही इस अवार्ड कार्यक्रम में दादा साहेब फाल्के के पौत्र चन्द्रशेखर पुसाल्कर मुख्यअतिथि के रुप में मौजूद रहे।तो वही अवार्ड पाने वाले सितारों की बात करे तो मशहूर संगीतकार अनु मलिक,बॉलीवुड अभिनेत्री अंतराष्ट्रीय परफॉर्मर भजन सम्राट अनुप जलोटा,मुकेश ऋषी,एंकर सिमरन

आहूजा,को भी अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इन्टरनेशनल क्लासिकल परफॉरमर शिरीन फरीद के स्टेज परफॉर्मेंस ने सब का दिल जीत लिया जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।शिरीन फरीद पूरी निष्ठा लगन के साथ किसी भी काम को अंजाम देती हैं यही वजह है वो लोगों का दिल जीत लेती हैं शिरीन फरीद के प्रशंशकों की तादाद हिंदुस्तान के अलावा भी दुनिया के कई मुल्कों में लाखों की संख्या में हैं कार्यक्रम को सफल बनाने के लि शिरीन फरीद ने दर्शको के अलावा बॉलीवुड के सदस्यों राजनीतिक सामाजिक लोगों और पत्रकारों का भी शुक्रिया अदा किया।आप को बता दे की केसीएफ फाऊंडेशन की एक्ट्रेस शिरीन फरीद ब्राण्ड अम्बेस्डर भी हैं।

पंजाब में 2.80 लाख खेत मजदूर व भूमिहीन किसानों का कर्ज होगा माफ

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने खेत कामगारों और भूमिहीन किसानों का कृषि ऋण स्कीम के अंतर्गत 590 करोड़ रुपये का कर्ज माफ करने का एलान किया है। इससे मुख्यमंत्री द्वारा अपनी सरकार का एक और प्रमुख वादा पूरा किये जाने का रास्ता साफ हो गया। मंगलवार को हुई उच्च-स्तरीय मीटिंग के बाद सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि 20 अगस्त को राज्य स्तरीय समारोह के दौरान यह चेक जारी किये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा प्राथमिक सहकारी सभाओं के 2,85,325 सदस्यों का 590 करोड़ रुपए का ऋण माफ किया जाएगा, जिससे हर सदस्य को 20,000 की राहत मिलेगी। उन्होंने वित्त और सहकारिता विभागों को इस फैसले को जमीनी स्तर पर कारगर ढंग से अमल में लाने के लिए प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने का आदेश दिया है।

इस लोन वालों को मिलेगी राहत

पंजाब सरकार ने पंजाब कृषि सहकारी सभाएं-2019 के अंतर्गत खेत कामगारों और भूमि रहित काश्तकार सदस्यों के लिए ऋण राहत स्कीम बनाई थी, जिसके दायरे में राज्य में पंजाब कृषि सहकारी सभाओं के जरिए जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों द्वारा सहकारी सभाओं के सदस्यों को दिए गए लोन शामिल होंगे। कैप्टन द्वारा बुधवार को किया गया यह एलान 'ऋण राहत स्कीम' के अधीन किसानों के ऋण माफ करने के बाद किया गया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलढाणा हलचल

एमटीपी ड्रग मोहिम के तहत मेडिकल से गेस्टाप्रो ड्रग्स का स्टॉक जब्त

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त के निर्देशानुसार एमटीपी ड्रग मोहिम चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में एमटीपी ड्रग का परीक्षण किया जा रहा है। जो गर्भपात को रोकने में मदद करेगा। इस अभियान के तहत अब तक जिले में 20 दवा डीलरों की फर्मों का निरीक्षण किया जा चुका है। इसी पड़ताल में 12 जुलाई को बुलडाणा शहर के जांभरून रोड पर मनीष मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स

पर जाल बिछा कर ईस की जांच की गई। दौराने जांच पर यहां एमटीपी ड्रग के तहत गेस्टाप्रो टैबलेट नाम की दवा का भंडार मिला है। इस जगह को खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जब्त कर लिया है। साथ ही उक्त स्टॉक के खरीदी विक्री बिल की जांच की जा रही है और एमटीपी ड्रग्स को बिना प्रिस्क्रिप्शन के न बेचें और न ही कोई और एमटीपी ड्रग्स को अवैध रूप से ना बेचें। इसमें शामिल पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई सह आयुक्त यु.पी.धरोटे पाध्या के मार्गदर्शन में सहायक आयुक्त ए.टी. बर्ड, ड्रग इंस्पेक्टर गजानन घिरके, सहायक आयुक्त यई ने कि है।

शहर के साथ ग्रामीण इलाकों में भी कोरोना संक्रमण से राहत हालात इसी तरह काबू में रहे तो बच सकते हैं तीसरी लहर से

बुलडाणा। पिछले कुच दिनों में जिले के शहरी क्षेत्र के साथ-साथ अब ग्रामीण इलाकों में भी कोरोना संक्रमण का असर कम हो गया है। दो महीने पहले तक जिले में प्रतिदिन कोरोना संक्रमण से पीड़ित करीब 1000से 1200 मरीज पाए जा रहे थे और 5 से 9मरीजों की प्रतिदिन मौत हो रही थी । लेकिन फिलहाल जिले में प्रतिदिन औसतन 15 से 16 संक्रमित मरीज मिल रहे हैं, वहीं एक अथवा दो मरीजों की प्रतिदिन मौत हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यही परिस्थिति जारी रही तो कोरोना वायरस की तीसरी लहर से बचा जा सकता है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने जिले में जमकर तबाही मचाई थी, लेकिन जून माह के आखिर तक वायरस का असर धीमा पड़ता चला गया और मरीजों की संख्या भी लगातार घट रही है। पहले शहरी क्षेत्र में मरीजों की संख्या में गिरावट आई, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा संख्या में मरीजों का मिलना जारी रहा पर पिछले कुछ दिनों से अब ग्रामीण इलाकों में भी मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अगर ऐसी परिस्थिति जारी रही तो कोरोना वायरस की तीसरी

लहर से बचा जा सकता है।

जिले के 9 तहसीलों में एक भी कोरोना मरीज नहीं

प्रयोगशाला में और रैपिड एंटीजन टेस्ट किट द्वारा जांच की गई 2,224 रिर्पोटों में से जिले के नौ तहेसीलो में आज कोई मरीज नहीं मिला। आज19 मरीजों को मेडिकल प्रोटोकॉल के अनुसार डिस्चार्ज कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने कोरोना पर काबू पा लिया है।

जिले में 95 फीसदी कोविड बेड खाली

बुलदाना जिले में कोरोना की दूसरी लहर सुकून देने वाली तस्वीर है। नए मरीजों की संख्या में भारी कमी के कारण जिले में 95 प्रतिशत से अधिक बेड खाली हैं। जिले में कोरोना की दूसरी लहर से ज्यादा नुकसान हुआ है। दूसरी लहर का पहले से ज्यादा प्रतिकूल असर शहर तक ही सीमित नही रहा बलके कोरोना दूसरी लहर में गांव ग्रामीणों चपेट मे ले रखा था। गांवों में भी मरने वालों की संख्या बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन के प्रयासों से जिले में कोरोना की दूसरी लहर की सुकून देने वाली तस्वीर सामने आ रही है।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर में लुटेरों ने गल्ला व्यवसाई को मारपीट के 45 हजार रुपया लूट लिया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र गोला रोड स्थित गल्ला व्यवसाई के दुकान में अहले सुबह डकैतों ने डाका डाला डकैती के दौरान विरोध करने पर गल्ला व्यवसाई से मारपीट कर जख्मी कर दिया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 2 : 30 बजे सुबह में तीन की संख्या में दुकान खोलने को लेकर दरवाजा खटखटा रहा था जिसमें दरवाजा नहीं खोलने पर पीछे के रास्ते से दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। प्रवेश करने पर ही गला व्यवसाई पर जमकर मारपीट

करने लगा मारपीट के दौरान खून से लथपथ व्यवसाई गिर गया उसके बाद डकैतों ने गला लेकर फरार हो गया। बताते चलें कि बहादुरपुर नाका से महज 25 गज की दूरी पर इस घटना को अंजाम दिया गया और घंटो बाद पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। शोर मचाने पर स्थानीय लोग जख्मी व्यवसाई को सदर अस्पताल ईलाज के लिए ले गए घटना की सूचना मिलने पर नगर पुलिस पहुंच मामले की तफ्तीश में जुट गई है। नगर थाना अध्यक्ष अरुण कुमार राय ने बताया कि तीनों बदमाश ग्राहक बनकर आया और घटना को अंजाम दिया। उन्होंने कहा की जो भी इस घटना को अंजाम दिया है उसे बखसा नहीं जाएगा। व्यवसाई के द्वारा बताया गया कि गल्ला में 45 हजार रुपया था। इसकी जानकारी दुकानदार के पिता अशरफी राय ने दी।

मधुबनी हलचल

90 दिनों के बाद आशिक-ए-रसूल को सीजेएम कोर्ट से मिली जमानत

संवाददाता

मधुबनी। 12 जुलाई 2021 को ठीक तीन महीनों के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम बेदारी कारवां के शेरदिल सदर जनाब नजरे आलम और उनके दरभंगा जिला के युवा इकाई के छात्र नेता मो. तालिब को सीजेएम कोर्ट ने जमानत दे दिया। आपको बता दें कि पूरा मामला गुस्ताख-ए-रसूल नरसिंहानंद के अभद्र बयान के खिलाफ बेदारी कारवां द्वारा दरभंगा में 12 अप्रैल 2021 को निकाले गए विरोध मार्च से जुड़ा हुआ है जिसके माध्यम से पापी नरसिंहानंद को फांसी देने की मांग की गयी थी। मगर उल्टा बिहार की सत्ता में स्थापित संघी मानसिकता वाली सरकार ने विरोध में उठने वाली लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की नीयत से शांतिपूर्ण और कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्ण रूप से पालन करने वाले मार्च के मुखिया नजरे आलम और उनके साथियों पर 147, 188, 269, 270, 271, 283, 353 के साथ 51 डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट 2005 और 2/3 एपिडेमिक एक्ट 1897 जैसी गंभीर धाराओं में गलत और मनमाने तरीके मुकदमा दर्ज कर दिया ताकि इन्हें जमानत न मिल सके और प्रशासन अपने नापाक मंसूबों में कामयाब हो जाए। मगर 'जिसका हामी हो खुदा उसको मिटा सकता है कौन' सीनियर वकील इरफानूर रहमान बिस्मिल, वकील अफरोज आलम खान की कड़ी मेहनत और मजबूत दलीलों के आगे झूठे तर्कों का टिकना मुश्किल था और आखिर बेल मिली और विरोधियों का मुँह काला हुआ। नजरे आलम ने कहा हम सदा न्यायपालिका पर विश्वास करते आये हैं और हमें ऐसे ही परिणामों की उम्मीद थी हम अपने शुभचिंतकों का शुक्रिया अदा करते हैं जो इन मुश्किल परिस्तिथियों में हमारे साथ लगातर बने रहे साथ ही हम माले, पॉपुलर फ्रंट और बाकि पार्टियों का भी शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने हमारे लिए आवाज उठायी। जमानत के समय वकील अफरोज खान के अलावा हाजी मोहम्मद कलाम, जफीर अहमद, बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष मधुबनी मास्टर नूर आलम, बिहार राज्य मदरसा एसोसिएशन के प्रदेश संरक्षक जकी अहमद पममु, वकील इरफान अहमद पैदल आदि भी मौजूद थे।

राजस्थान हलचल

राजसमन्द कांग्रेस अल्पसंख्यक द्वारा महंगाई के खिलाफ हलाबोल

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। राजसमंद कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के निर्वतमान जिलाध्यक्ष शराफत हुसैन फौजदार के नेतृत्व में आज राजसमन्द के कांकरोली टी वी एस चौराहा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के निदेर्शानुसार पेट्रोल डीजल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर धरना प्रदर्शन और हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और केंद्र सरकार से महंगाई को कम करने की मांग की गई जिसको लेकर हल्ला बोल प्रोग्राम आयोजित किया गया दस्तखत अभियान और धरना प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग व कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर निशानेबाजी की और नारेबाजी की गई और बढ़ी हुई कीमतों को वापस न लेने पर मोदी सरकार से इस्तीफा की माँग की गई इस दौरान नगर परिषद उप सभापति चुनीलाल पंचोली, एडवोकेट सत्तार शाह, नफिश मोहम्मद, अर्जुन लाल, जितेंद्र,जाकिर हुसैन, विवेक कुमार, असरार खान पठान, मौजीराम, रेहाना खान पठान, सलमा खान सहित कई माननीय पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

बकरा मंडी को लेकर जोधपूर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया

जोधपुर। युवा संघर्ष समिति जिला अध्यक्ष जनाब नदीम बक्ष की कयादत में जोधपुर जिला कलक्टर साहब को एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमे जिला कलक्टर साहब से बकरा मंडी पुराना राजकीय स्टेडियम पर ही स्थापित करने की माँग की गई, जिसमे जिला कलेक्टर साहब ने भी पूरा पूरा अशवासन दिया कोरोना महामारी के कारण पिछले वर्ष चौखा बकरा मंडी में शिफ्ट की गई थी, 21 जुलाई को ईदुलजुहा है हमारी माँग यही रही अब कुछ ही दिन बचे है ईद अजहा के, आपसे विनम्र अनुरोध है बकरा मंडी पुराना स्टेडियम लगने दें और हमेशा के लिए ईदुलजुहा के चाँद दिखने से ईद अजहा के 3 रोज बाद तक लगवाने की आदेश करावे, ज्ञापन देने मे यह रहे मौजूद। जिला अध्यक्ष नदिम बक्ष, समाजसेवी अ. रहीम साखला, समाजसेवी अतीक सिदिकी,भूर जी सामरिया, चांद मो, व अन्य लोग शामिल थे।

रामपुर हलचल

भरी गर्मी से राहत की सांस ली

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। लगातार की भीषण गर्मी से तृस्त लोगों ने मौसम के मानसून को देखते हुए हल्की बूंदा बांदी के चलते तेज हवाओं के साथ उमस भरी गर्मी से राहत की सांस ली वहीं वर्षा कम होने के चलते धान की फसल भी पीछे होकर रह गई है मंहगाई की मार को देखते हुए कृषकों की आर्थिक स्थिति काफी खराब होकर रह गई है डीजल आदि की खरीदारी करने को लेकर बेबस होकर रह गये हैं जिसके चलते अनेकों प्रकार की मार झेलना पड़ रही हैं मानसून एवं मौसम की नजाकत को देखते हुए वर्षा ऋतु के मौसम में बरसात का होना कम पाया जा रहा है भीषण गर्मी से कृषक एवं नगरीय क्षेत्रवासी काफी चिन्तित होते दिखाई दे रहे हैं समय से वर्षा न होने की दशा में जगह जगह वर्षा होने को लेकर शरबत आदि का सवील कर दुआऐं भी मांगी जा रहीं हैं जबकि उत्तराखण्ड में लगातार वर्षा होने की सूचनाऐं मिल रही हैं पहाड़ों पर अधिक होने वाली वर्षा से आस पास की नदियों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा होकर रह जाती हैं जिस से क्षेत्रवासियों का सामान्य जीवन गड़बड़ा कर रह जाता हैं जो लोग बाढ़ की चपेंट में आकर रह जाते हैं सरकार द्वारा बाढ़ ग्रस्त इलाकों में आर्थिक सहायता के चलते भरपूर मदद की जाती हैं साथ ही भयंकर स्थिति पर भी नियंत्रण कर लिया जाता हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगस्त से लेकर सितंबर महीने तक रोजाना जरूर खाएं ये फल

स्वस्थ रहने के लिए ताजे फलों का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व शरीर को हैल्दी रखने का काम करते हैं। इन सुपर फूड्स को मौसम के अनुसार खाना चाहिए। अगर बात अगस्त और सितंबर की करें तो इस मौसम में थोड़ा सा बदलाव होने लगता है। इसी वजह से इन दिनों में लोग बीमार की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। खुद को बीमारियों से बचाने के लिए इन फलों का सेवन जरूर करें।

आइए जानते हैं वह कौन से फल हैं जिनको अगस्त और सितंबर में जरूर खाना चाहिए।

1. आम
आम खाना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इसमें सैचरेटिड फै ट, कोले स्ट्रोल, सोडि यम, विटामिन विटामिन इ-6, विटामिन अ, विटामिन उ और फाइबर भी पाया जाता है। जो लोग अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं उनको मैंगो शेक बनाकर पीना चाहिए।

2. जामुन
जामुन एक बरसाती फल है। इस खट्टा-मीठे फल में कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन्स होते हैं जो हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही इसमें आयरन, फोलेट, पोटेशियम और विटामिन आदि पोषक तत्वों से भरा होता है। जामुन खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

3. अनार
इन दिनों में अनार खाना बहुत फायदेमंद दोता है। अनार खाने शरीर में खून की मात्रा पूरी होने के साथ ही रंगत में भी निखार आता है। अगर बारिश के मौसम में आपको कभी खांसी-जुकाम हो तो अनार जरूर खाएं। इसके अलावा अनार खाने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

4. कीवी
खट्टी-मीठी कीवी खाने में जितनी टेस्टी होती है। सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है उनको कीवी जरूर खानी चाहिए।

5. नाशपती
नाशपती इस मौसम में पाई जाती है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। इसको खाने से हड्डियां मजबूत होती है। डायबिटीज और दिल के मरीजो को रोजाना नाशपती का सेवन करना चाहिए।

6. चेरीज
चेरीज खाना ज्यादातर लोगों को बहुत पसंद होता है। स्वाद से भरपूर चेरीज में कई पौषक तत्व पाए जाते हैं। इसको खाने से यूरिक एसिड की मात्रा कम होने के साथ ही जोड़ों के दर्द से राहत भी मिलती है।

7. तरबूज
अगस्त के महीने में तरबूज खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। तरबूज में मिठास, पानी और विटामिन ए की मात्रा ज्यादा होती है जो त्वचा और बालों के लिए अच्छा होता है।

इस तरह करें गुड़ का इस्तेमाल, चेहरे पर नहीं रहेगा एक भी दाग-धब्बा!

गुड़ सेहत ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले गुण आयरन, कैल्शियम और पौष्टिक तत्व चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे को दूर करने के साथ ही रंगत निखारने का काम भी करता है। सबसे खास बात गुड़ बालों को मुलायम बनाने में भी यूजफूल है। आज हम आपको गुड़ किस तरह से आपको खूबसूरत बनाने में आपकी मदद करता है।

1. एक्ने और मुंहासों में लाभदायक
चेहरे पर एक्ने और मुंहासों को दूर करे के लिए गुड़ खाए। आप चाहे तो इसका पेस्ट भी चेहरे पर लगा सकते हैं। पेस्ट बनाने के लिए 1 चम्मच गुड़, 1 चम्मच टमाटर का रस, आधा चम्मच नींबू का रस, चुटकीभर हल्दी और थोड़ी गर्म ग्रीन टी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं।

2. चेहरे की झुर्रियां
उम्र बढ़ने के साथ या फिर किसी और कारण से चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती है। गुड़ में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट चेहरे को रिंकल फ्री रखते हैं। गुड़ को खाने से झुर्रियां कम होने के साथ ही उम्र भी कम लगेगी।

3. खूबसूरत बाल
गुड़ में मुल्तानी मिट्टी, दही और पानी मिलाकर एक पैक बनाएं। इस पैक को बाल धोने से एक घंटा पहले लगा लें। इसके बाद ठंडे पानी से बाल धो लें। ऐसा करने से बाल मुलायम होने के साथ ही चमकदार भी होंगे।

4. स्किन के लिए जरूरी
गुड़ में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं। गुड़ खाने से कब्ज से राहत मिलती है। जब आपका पेट साफ होता है स्किन ग्लों करने लगेगी। रोजाना 1 गिलास गुनगुने पानी में गुड़ डालकर रोजाना पीएं।

5. खून साफ करता
गुड़ खाने से खून साफ होने के साथ एनीमिया की समस्या से भी राहत मिलती है। खून साफ होने से पिंपल्स भी नहीं होते।

शादी के दिन चाहिए परफैक्ट लुक तो ट्राई करें ये प्री-वैडिंग ब्यूटी टिप्स

अपनी शादी का दिन हर किसी के लिए खास होता हैं। दूल्हा-दुल्हन शादी से कुछ महीने पहले ही अपनी सेहत व सौंदर्य पर ध्यान देना शुरू कर देते हैं। शादी के दिन दूल्हें से ज्यादा सभी की नजरें दुल्हन पर टिकी होती है इसलिए दुल्हन को शादी से पहले अपनी ब्यूटी को निखारने के लिए काफी प्लानिंग करनी पड़ती हैं। चलिए आज हम आपको शादी से पहले किए जाने वाले कुछ ब्यूटी टिप्स बताते है जिन्हें शादी के 1 महीना पहले ट्राई करना शुरू करेंगे तो शादी के दिन दुल्हन के चेहरे पर नैचुरल ग्लो आएगा।

1. सी.टी,एम
चेहरे पर नियमित क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करें। इससे स्किन पर चमक आएगी व स्किन हमेशा यंग दिखेगी। वहीं क्लींजिंग चेहरे पर मौजूद गंदगी को साफ कर चेहरे के बंद हुए पोर्स को खोलने में मदद करेंगी। टोनिंग के जरिए रोम छिद्रों में कसाव आएगा। मॉइस्चराइज करने से चेहरे पर नमी बनी रहेगी।

2.एक्सफोलिएट
स्किन के डेड सेल्स व ब्लैकहैड्स को दूर करने के लिए त्वचा को एक्सफोलिएट करना जरूरी है। सप्ताह में 2 या 3 बार चेहरा धोने से पहले अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें। त्वचा को एक्सफोलिएट करने से पहले माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इसके बाद होममेड स्क्रबिंग करें। इसके लिए चावल के आटे में गेंहू का आटा मिलाकर स्किन को एक्सफोलिएट करें।

3. फेशियल व हेयर स्पा
शादी से कम से कम छह महीने पहले ही चेहरे व बालों को स्पा देना शुरू कर दें। महीने में एक बार जरूर अपने बालों व स्किन को स्पा दें। इससे स्किन ग्लोइंग व हेयर शाइनी बनेंगे। किसी भी तरह का कैमिकल्स वाला हेयर स्पा और मास्क इस्तेमाल करने से पैच टेस्ट जरूर लें।

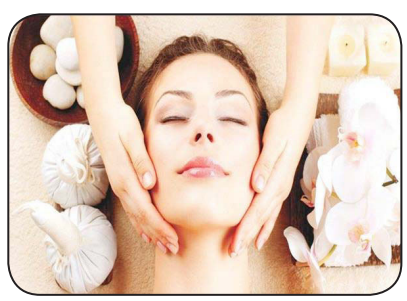

4.क्लीनिंग सेटिंग्स और होममेड उपचार
स्किन पर कई तरह मार्क्स या स्पोट्स हटाने के लिए क्लीनिंग सेटिंग्स आपको जल्दी स्पॉट-फ्री स्किन दिलाने में मदद कर सकती हैं। अगर आपकी त्वचा पैची, सनबर्न पिग्मेंटेशन की वजह से खराब हो गई है तो ऑफिशियल ट्रीटमेंट लें। इसके अलावा आप होममेड फेशियल जैसे मैश की हुई स्ट्रॉबेरी, सेब, पपीते का पैक बना चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भुज द प्राइड ऑफ इंडिया में नोरा फतेही बनी है रॉ एजेंट

मल्टी स्टारर फिल्म भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसे खूब पसंद किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस वाले सप्ताह में यह मूवी ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। यह पीरियड ड्रामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है और इसमें अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा और नोरा फतेही जैसे कलाकार हैं। नोरा आमतौर पर फिल्मों में आइटम डांस करती नजर आती हैं। वे कमाल की डांसर हैं। कम लोग जानते हैं कि भुज में नोरा का महत्वपूर्ण रोल है। टीम ने यह बात छिपाकर रखी है। शायद दर्शकों को चौंकाना चाहते हों। सूत्रों का कहना है सोनाक्षी सिन्हा फिल्म की नायिका हैं। जब दूसरी मुख्य भूमिका निभाने के लिए एक और हीरोइन की जरूरत पड़ी तो परिणीति से बात की गई। परिणीति चोपड़ा को जब पता चला कि उनकी भूमिका सोनाक्षी की तुलना में छोटी है तो उन्होंने फिल्म करने से मना कर दिया। तब फिल्म के निर्माताओं ने कृति सेनन और जैकलीन फर्नांडीज जैसी अभिनेत्रियों से संपर्क किया, दोनों सोनाक्षी के लिए दूसरी भूमिका नहीं निभाना चाहते थे। आखिरकार नोरा को लिया गया। नोरा ने फिल्म में एक डांसर का रोल अदा किया है। यह लड़की पाकिस्तान में है और वह वास्तव में भारतीय सेना के लिए एक जासूस के रूप में काम करती है।

...लोगों को जागरूक करेंगी अनन्या पांडे

अनन्या पांडेय ने काफी कम समय में बॉलीवुड में अपना एक खास मुकाम हासिल कर लिया है और उनकी फैन फॉलोइंग भी पहले से काफी बड़ी हो गई है। ऐसे में उनके कई फैंस उन्हें उनके काम और उनकी खूबसूरती के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। तो कई बार एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर लोगों के भद्दे कमेंट्स और बुलिंग का भी सामना करना पड़ता है। अब वह एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। अब अनन्य ने फिर एक ऐसा कदम उठाया है, जिसकी प्रशंसक खूब सराहना कर रहे हैं। दरअसल, अनन्या अब मुंबई साइबर क्राइम पुलिस के साथ मिलकर काम करने वाली हैं। वह उनके साथ सोशल मीडिया पर हो रहे अपराध के खिलाफ जागरुकता फैलाएंगी। अनन्या पांडेय ने हाल ही में मुंबई पुलिस के साइबर क्राइम ब्रांच के एसीपी संदीप कार्णिक, पीएसआई दत्तात्रेय ज्ञानेश्वर भोजने और पीएसआई अजय काशीनाथ पाटिल के साथ मिलकर साइबर क्राइम को लेकर जागरुकता पर चर्चा की। साथ ही अनन्या ने एक्सपर्ट्स से पूछा कि लोग सोशल मीडिया पर अपने स्पेस को कैसे मजबूत कर सकते हैं और सोशल मीडिया बुलिंग से खुद को कैसे बचा सकते हैं? साइबर क्राइम पुलिस के साथ अपनी वर्चुअल बातचीत के अनुभव को अनन्या शेयर किया।

सौरव गांगुली पर बनेगी बायोपिक, रणबीर कपूर निभा सकते हैं करदार

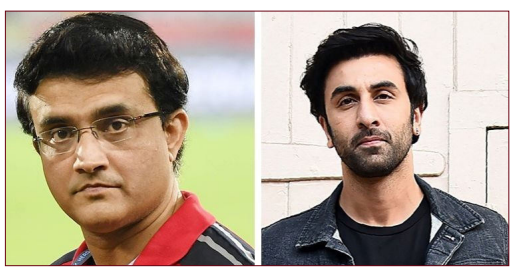

बॉलीवुड में बायोपिक फिल्मों का खूब चलन चल रहा है। खास कर अगर फिल्म किसी क्रिकेटर पर हो फिर तो सोने पर सुहागा। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर की लाइफ पर बनी फिल्में सुपर हिट हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में कई और क्रिकेटरों पर बनी बायोपिक को रिलीज करने की तैयारियां चल रही हैं, जिसमें कपिल देव, मिताली राज का नाम शामिल है। इसी कड़ी में टीम इंडिया के सबसे कामयाब कप्तानों में से एक सौरव गांगुली के जीवन पर बनने वाली बायोपिक को हरी झंडी दिखा दी गई हैं। 'दादा' ने खुद अपने करीबियों को इसकी जानकारी दी है। यह फिल्म वायोकॉम के बैनर के तले बनेगी। हालांकि, इसमें सैरव गांगुली का रोल कौन निभाएगा इसकी जानाकारी अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं दी गई है। लेकिन खबरों की माने तो इसमें रणबीर कपूर सौरव गांगुली का रोल निभाते हुए दिखाई दे सकते हैं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
Estd. : 2011
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030
www.gdjalan.edu.in